

## यूरोप

यूरोप महाद्वीप उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे छोटा महाद्वीप है। यहाँ पर प्रायद्वीपों की संख्या अधिक होने के कारण इसे प्रायद्वीप का महाद्वीप कहते हैं। यह यूरेशिया का प्रायद्वीप भी कहलाता है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें एक भी मरुस्थल नहीं पाये जाते हैं। इस महाद्वीप का क्षेत्रफल 99,38,000 वर्ग किलोमीटर है, जो विश्व का कुल 6.66% है।

यूरोप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर तथा दक्षिण में भूमध्यसागर स्थित है। यह पूर्व में यूराल पर्वत तथा कैस्पियन सागर द्वारा एशिया से पृथक होता है।

### यूरोप की महत्वपूर्ण जल संधियाँ

**डॉबर जलसंधि-** यह जलसंधि उत्तरी सागर को इंग्लिश चैनल से जोड़ती है, जबकि ग्रेट ब्रिटेन को फ्रांस से अलग करती है।

**जिब्राल्टर जलसंधि-** यह जलसंधि अटलांटिक महासागर को भूमध्यसागर से जोड़ती है, जबकि यूरोप के स्पेन को अफ्रीका के मोरक्को से अलग करती है। अटलांटिक महासागर से भूमध्यसागर में प्रवेश करने का एकमात्र समुद्री मार्ग जिब्राल्टर जलसंधि है; इसलिये इसे भूमध्यसागर का प्रवेश द्वार या कुंजी कहा जाता है। जिब्राल्टर जलसंधि के समीप जिब्राल्टर बन्दरगाह है, जिस पर युनाइटेड किंगडम का अधिकार है।

**बोनीफेसिया जलसंधि** - यह जलसंधि भूमध्यसागर को टिरहीनियन सागर से जोड़ती है, जबकि कॉर्सिका द्वीप (फ्रांस) को सार्डिनिया द्वीप (इटली) से अलग करती है।

**मेसिना जलसंधि-** यह जलसंधि टिरहीनियन सागर को इओनियन सागर से जोड़ती है, जबकि सिसली द्वीप (इटली) को इटली देश से अलग करती है।

**अट्रान्टो जलसंधि-** यह एड्रियाटिक सागर को इओनियन सागर से तथा इटली को ग्रीस से जोड़ती है। आइसलैण्ड देश एक द्वीप का उदाहरण है, इसकी राजधानी रेकजानिक है, जो कि यूरोप की सबसे उत्तरी राजधानी है। आइसलैण्ड, नॉर्वे, स्वीडन एवं डेनमार्क को स्कैंडिनेविया के नाम से जाना जाता है। नॉर्वे देश की राजधानी ओस्लो है, जहाँ पर शांति का नोबेल पुरस्कार दिया जाता है। नॉर्वे का तट फियोर्ड तट का उदाहरण है। नॉर्वे देश को मध्य रात्रि के सूर्य का देश भी कहा जाता है। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम है, जहाँ पर पाँच नोबेल पुरस्कार दिये जाते हैं।

स्टॉकहोम में सन् 1972 में पर्यावरण से सम्बंधित पहला सम्मेलन आयोजित किया गया था।

### नोट-

- नोबेल पुरस्कार-** नोबेल फाउंडेशन द्वारा स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में वर्ष 1901 से प्रतिवर्ष नोबेल दिये जा रहे हैं। यह पुरस्कार कुल 6 क्षेत्रों शांति, साहित्य, चिकित्सा, भौतिकी, रसायन एवं अर्थशास्त्र में दिया जाता है।
- अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की शुरुआत 1968 में की गई।

फिनलैण्ड में हिमनद के जमाव के कारण लगभग पचास हजार झीले निर्मित हुई हैं; इसीलिये फिनलैण्ड को झीलों का देश कहते हैं। स्टोनिया, लाटविया एवं लिथुआनिया को बाल्टिक देश कहा जाता है।

**नोट-** बाल्टिक सागर के किनारे स्थित देश-स्वीडन, एस्टोनिया, लाटविया, लिथुआनिया, फिनलैण्ड, पोलैण्ड, डेनमार्क, जर्मनी तथा रूस हैं।

जर्मनी में स्थित कील नहर बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोड़ती है। जर्मनी में उत्तरी सागर के तट पर हैम्बर्ग बंदरगाह है, जो जलयान उद्योग का महत्वपूर्ण केन्द्र है। कील शहर जर्मनी में डेयरी उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। उत्तरी सागर के तटीय क्षेत्र को डॉगर बैंक कहते हैं, जो मछली उत्पादन का महत्वपूर्ण केन्द्र है और यहाँ पर प्राकृतिक गैस के भण्डार भी पाये जाते हैं। बेल्जियम, नीदरलैंड, लक्जमबर्ग इन देशों को यूरोप के निम्न भूमि (Low land country of Europe) का देश कहा जाता है।

बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स है, जहाँ पर NATO का मुख्यालय स्थित है। NATO-North Atlantic Treaty Organization (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) एक सैन्य संगठन है।

नीदरलैंड की राजधानी रॉटरडम है, जहाँ पर हीरे की कटाई एवं पॉलिश का कार्य किया जाता है। नीदरलैंड के हेग शहर में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय है।

### यूरोप की महत्वपूर्ण नदियाँ

**विस्तुला नदी-** विस्तुला पोलैण्ड की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो बाल्टिक सागर में गिरती है। इस नदी बेसिन में सिलियन बेसिन कोयला भण्डार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी कारण से क्राकोव में लौह इस्पात उद्योग का सर्वाधिक विकास हुआ है। पोलैण्ड की राजधानी वॉरसा विस्तुला नदी के तट पर ही है।

पोलैण्ड के लोड्स शहर में सूती वस्त्र उद्योग का विकास होने के कारण इसे पोलैण्ड का मैनचेस्टर कहा जाता है।

**ओडर नदी-** ओडर नदी भी पोलैण्ड की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो पोलैण्ड एवं जर्मनी के मध्य सीमा बनाते हुए बाल्टिक सागर में गिरती है।

**एल्व नदी-** एल्व जर्मनी की एक महत्वपूर्ण नदी है, जिसकी सहायक नदी स्प्रि है। स्प्रि नदी के तट पर ही जर्मनी की राजधानी बर्लिन स्थित है। ड्रेसडेन एल्व नदी के तट पर स्थित जर्मनी का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह है, जो चीनी मिट्टी के बर्तनों के उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

**बीसर नदी-** बीसर नदी भी जर्मनी की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो उत्तरी सागर में अपना जल गिराती है। इस नदी के किनारे जर्मनी का ब्रेमेन शहर स्थित है, जो कागज उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

**राइन नदी-** राइन नदी स्विट्जरलैंड के आल्प्स पर्वत से निकलती है एवं जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड एवं बेल्जियम से होते हुए उत्तर सागर में गिरती है। यह नदी जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत एवं फ्रांस के बॉसजीस पर्वत के मध्य से होते हुए प्रवाहित होती है। राइन नदी भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है। यह यूरोप की एकमात्र नदी है, जो भ्रंशघाटी में प्रवाहित होती है। इस नदी में अंतःस्थलीय जलमार्ग का विकास किया गया, जो यूरोप का सबसे व्यस्त अंतःस्थलीय जलमार्ग है। जर्मनी का फ्रैंकफर्ट शहर सबसे व्यस्त नदीय बंदरगाह है, जो राइन नदी घाटी में स्थित है।

राइन नदी की सहायक नदी रूर नदी है। राइन नदी एवं रूर नदी के मध्यवर्ती क्षेत्र से कोयला की प्राप्ति होती है। इसी वजह से ही एसेन शहर में लौह इस्पात उद्योग का सर्वाधिक विकास किया गया।

**सिएन नदी-** सिएन नदी फ्रांस की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो इंग्लिश चैनल में अपना जल गिराती है। इस नदी के किनारे पेरिस शहर स्थित है, जो सौन्दर्य प्रसाधन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है।

**लॉयर नदी-** यह फ्रांस की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो बिस्के की खाड़ी में गिरती है। इस नदी के किनारे फ्रांस का नॉट्रेस बंदरगाह है, जो कागज उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

**गैरोन नदी-** यह भी फ्रांस की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो बिस्के की खाड़ी में गिरती है। इस नदी के किनारे बोर्डो बंदरगाह है, जो वाइन उद्योग के लिए प्रसिद्ध है, फ्रांस का टुलुज शहर वायुयान उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

**रोन नदी-** यह नदी स्विट्जरलैण्ड के आल्प्स पर्वत से निकलती है और स्विट्जरलैण्ड की जेनेवा झील से होते हुए फ्रांस में प्रवेश करती है एवं अंतिम रूप में भूमध्यसागर के लायांस की खाड़ी में अपना जल गिराती है। यह फ्रांस की एक मात्र नदी है, जो भूमध्यसागर में अपना जल गिराती है।

फ्रांस में इस नदी के किनारे मार्सलिस बंदरगाह स्थित है, जो फ्रांस का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर है। फ्रांस भूमध्यसागर जलवायु प्रदेश में स्थित है; इसलिए यहां पर रसदार फलों की कृषि की जाती है, जैसे- अंगूर, जैतून, सेब आदि। इसी कारण से यहां पर बोर्डो एवं शैम्पेन जैसी विश्व प्रसिद्ध शराब तैयार की जाती है। मार्सलिस शहर सिल्क वस्त्र उद्योग का महत्वपूर्ण केन्द्र है, इसे फ्रांस की सिल्क सिटी कहा जाता है।

**डूरो एवं टोंगस नदियां-** ये दोनों नदियाँ स्पेन से निकलने के बाद पुर्तगाल से होते हुए अटलांटिक महासागर में गिरती हैं। डूरो नदी के तट पर पोर्टो शहर स्थित है, जो वाइन के निर्यात के लिए प्रसिद्ध है। टोंगस नदी के किनारे लिस्बन शहर स्थित है, जो पुर्तगाल की राजधानी है।

**ग्वाडीक्लीवर नदी-** यह स्पेन की महत्वपूर्ण नदी है, जो अटलांटिक महासागर में गिरती है। इस नदी के किनारे काडिज बंदरगाह है, जो कॉर्क के निर्यात के लिए प्रसिद्ध है। सेविल्ले शहर स्पेन का महत्वपूर्ण शहर है, जो यूरोप का सबसे गर्म स्थान है।

**इब्रो नदी-** यह नदी स्पेन के कैंटाब्रायन पर्वत से निकलती है एवं आइबेरियन प्रायद्वीप से होते हुए भूमध्यसागर में गिरती है। स्पेन की नदियों में यह एकमात्र नदी है, जो भूमध्यसागर में जल गिराती है।

**टिबेर या टाइबर नदी-** यह नदी इटली के एपिनाइंस पर्वत से निकलती है एवं इटली की राजधानी रोम एवं विश्व के सबसे छोटा देश वेटिकन सिटी से होते हुए टिरहीनियन सागर में जल गिराती है।

**पो नदी-** यह नदी इटली के आल्प्स पर्वत से निकलने के बाद एड्रियाटिक सागर के वेनिस की खाड़ी में गिरती है। यह इटली के लोम्बार्डी मैदान से होते हुए गुजरती है, जो यूरोप का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र है। यहां पर चावल की कृषि की जाती है। पो नदी का आर्थिक एवं धार्मिक महत्व होने के कारण इसे **इटली की गंगा** कहते हैं। पो नदी के किनारे इटली का वेनिस शहर है, जो विश्व स्तर पर हस्तशिल्प उद्योग का एक प्रसिद्ध केन्द्र है। इटली के मिलान शहर में सूती वस्त्र का विकास होने के कारण इसे इटली का मैनचेस्टर कहते हैं। जबकि टूरिन शहर में ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास होने के कारण, इसे इटली का डेट्रोइट कहते हैं।

**डेन्यूब नदी-** यह नदी जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत से निकलती है एवं काला सागर में अपना जल गिराती है।

यह विश्व की एकमात्र ऐसी नदी है, जो विश्व के सर्वाधिक 10 देशों से होकर प्रवाहित होती है। जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया, सर्बिया, रोमानिया कल्गारिया, यूक्रेन एवं माल्डोवा।

**वोल्गा नदी-** यह रूस की महत्वपूर्ण नदी हैं, जो रूस की बेल्टाई पहाड़ी से निकलती है एवं कैस्पियन सागर में अपना जल गिराती है। यह यूरोप की सबसे लम्बी एवं बड़ी नदी है। इस नदी बेसिन से खनिज तेल की प्राप्ति होती है।

**डॉन नदी-** यह पश्चिमी रूस के टूला से निकलती है तथा एजोब सागर में गिरती है। डोनेट्स इसकी सहायक नदी है, जो यूक्रेन एवं रूस में प्रवाहित होती है।

**डनीपर नदी-** यह रूस की बेल्टाई पहाड़ी से निकलकर काला सागर में गिरती है।

**यूराल नदी-** यह नदी यूराल पर्वत से निकलती है एवं कैस्पियन सागर में गिरती है।

नॉर्वे स्वीडन की सीमा पर स्थित जॉलोन पर्वत से मैग्नेटाइट लौह अयस्क की प्राप्ति होती है, जिस कारण से ही स्वीडन के किरुना शहर में लौह इस्पात उद्योग का विकास किया गया। फ्रांस एवं स्पेन की सीमा पर पारेनीज पर्वत स्थित है, जिसके समीप ही अंडोरा देश स्थित है। बिस्के की खाड़ी के तट पर स्पेन में कैंटाब्रियन पर्वत स्थित है, जहां से इब्रो नदी निकलती है। स्पेन एवं पुर्तगाल आइबेरियन प्रायद्वीप पर स्थित है। इस प्रायद्वीप पर वेटिकन कार्डिलेरा, सियरा नवेदा, सियरा मोरेना पर्वत स्थित है।

आल्प्स पर्वत का विस्तार फ्रांस, जर्मनी इटली स्विट्जरलैंड एवं आस्ट्रिया की सीमा पर है। यह एक मोड़दार पर्वत का उदाहरण है। यहां से कोयला एवं लौह अयस्क की प्राप्ति होती है।

आल्प्स पर्वत में ही स्विट्जरलैंड में विश्व की सबसे लम्बी रेल सुरंग गोटरार्ड बेस सुरंग को यातायात के लिए शुरू किया गया है, जिसकी लम्बाई 57 किमी. है। आल्प्स पर्वत शृंखला से राइन नदी, पो नदी एवं रोन नदी निकलती है। इटली के एपिनाईंस पर्वत से टिबर नदी निकलती है। एपिनाईंस पर्वत के समीप ही माउण्ट विसुवियस ज्वालामुखी पर्वत स्थित है।

यूराल पर्वत एवं काकेशस पर्वत शृंखलाएँ एशिया एवं यूरोप की सीमा पर है और ये दोनों पर्वत एशिया को यूरोप से अलग करते हैं।

काकेशस पर्वत का विस्तार रूस, अजरबैजान, अर्मेनिया एवं जार्जिया देश में है, जबकि यूराल पर्वत रूस में है। काकेशस पर्वत पर माउंट एल्ब्रुज (Albruz) चोटी है, जो यूरोप की सबसे ऊँची चोटी है। कैस्पियन सागर एवं काला सागर भी यूरोप एवं एशिया की सीमा बनाते हैं। कैस्पियन सागर वास्तव में एक झील का उदाहरण है, जो विश्व की सबसे बड़ी खारे पानी की झील है।

ट्रांस साइबेरियन रेल मार्ग विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग है, जो सेंट पीटर्सबर्ग से ब्लाडीवास्तोक तक विस्तृत है। ब्लाडीवास्तोक इसका सबसे पूर्वी जंक्शन एवं सेंट पीटर्सबर्ग सबसे पश्चिमी जंक्शन है।

रूस के कोला प्रायद्वीप में स्थित मुर्मुस्क उत्तरी ध्रुव महासागर पर स्थित एकमात्र बंदरगाह है, जो वर्ष भर खुला रहता है। हंगरी, रोमानिया एवं यूक्रेन गणराज्य में शीतोष्ण घास के मैदान विस्तृत हैं, जिन्हें हंगरी में पुस्ताज एवं यूक्रेन में स्टेपी कहा जाता है।